कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com **Website:**
www.govtgirlspgcollegedurg.ac.in
College Code : 1602

दुर्ग, दिनांक 31.07.2023

/ प्रेस-विज्ञप्ति /

शासकीय डॉ. वा. वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग के हिन्दी विभाग द्वारा प्रेमचंद जयंती का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ0 सुशीलचन्द्र तिवारी ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि प्रेमंचद ने अपने साहित्य में नारी को केन्द्र बिन्दु में रखकर अनेक कहानियां एवं उपन्यास की रचना की। उनकी कहानियों में अशिक्षा, गरीबी, अंधविश्वास सभी कुछ है जो आज की परिस्थितियों को लेकर लिखी गई है। जिसमें गरीबी, दलितों एवं शोषित वर्ग का चित्रण है। उनकी कहानियों एवं उपन्यासों में वर्णित पात्रों से हमें आज के संदर्भ में जीवन जीने की प्रेरणा मिलती है। हिन्दी विभाग की सहायक प्राध्यापक श्रीमती ज्योति भरणे ने कहा कि प्रेमचंद जी ने अपने साहित्य के माध्यम से श्रमिकों की आर्थिक व्यवस्था, ग्रामीण जीवन की दुर्बलता, सामंती व्यवस्था, हिन्दू–मुस्लिम एकता, जमीदारों व पुलिस के अत्याचार आदि तात्कालीन एवं गांधीवादी विचारों पर प्रकाश डाला। प्रेमचंद ने कहानी और उपन्यास को मनोरंजन के स्तर से ऊपर उठकर जनजीवन को यथार्थता से जोड़ने का कार्य किया। कु0 डिकेश्वरी साहू, कु0 जास्मीन राठौर, कु0 वत्सल कोहरे ने प्रेमचंद की कहानियों का पाठ किया। कु0 पूजा चेलक, कु0 प्रेरणा सुकतेल ने कहा कि प्रेमचंद ने अपने कथा साहित्य में ग्रामीण जीवन का यथार्थ और प्रमाणित चित्रण किया है जो आज भी प्रासंगिक है। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 आरती राठौर ने तथा आभार प्रदर्शन डॉ0 यशेश्वरी ध्रुव ने किया। इस अवसर पर कु0 गीतांजली, कु0 किरण सोनबेर, कु0 मुस्कान, कु0 मीनिषा एवं बी0 ए0 प्रथम वर्ष व बी0 एस–सी0 प्रथम वर्ष की छात्राऐं उपस्थित रहीं।

समाचार के रूप में प्रकाशन हेतु निवेदित।

(डॉ0 एस0 सी0 तिवारी)
प्राचार्य
शासकीय डॉ. वा. वा. पाटणकर
कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग

शासकीय डॉ. वामन वासुदेव पाटणकर
कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग
हिन्दी विभाग